

प्रशान्त कुमार,  
आई0पी0एस0



पुलिस महानिदेशक,

उत्तर प्रदेश

पुलिस मुख्यालय, टावर-2,  
गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ-226002  
दिनांक: लखनऊ: अप्रैल 09, 2024

विषय: मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका (क्रिमिनल) संख्या-2874/2023 डब्लू कुजूर बनाम झारखण्ड राज्य में मा0 उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली द्वारा पारित आदेश दिनांकित 12.03.2024 के अनुपालन कराये जाने के सम्बन्ध में।

प्रिय महोदया/महोदय,

कृपया आप सभी अवगत हों कि विषयांकित रिट याचिका में मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा पारित अपने आदेश दिनांक 12.03.2024(छायाप्रति संलग्न) में दिये गये निर्देशों का अनुपालन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

2. मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा विभिन्न न्यायिक निर्णयों का संदर्भ देते हुये दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-173(2) के अन्तर्गत प्रस्तुत की जाने वाली पुलिस रिपोर्ट में कतिपय महत्वपूर्ण बिन्दुओं का विवेचक द्वारा अनिवार्य रूप से उल्लेख करने हेतु निर्देशित किया गया है, जिसके अनुपालनार्थ अंश निम्नवत है-

“17. Ergo, having regard to the provisions contained in Section 173 it is hereby directed that the Report of police officer on the completion of investigation shall contain the following: -

(i) A report in the form prescribed by the State Government stating-

(a) the names of the parties;

(b) the nature of the information;

(c) the names of the persons who appear to be acquainted with the circumstances of the case;

(d) whether any offence appears to have been committed and, if so, by whom;

(e) whether the accused has been arrested;

(f) whether he has been released on his bond and, if so, whether with or without sureties;

(g) whether he has been forwarded in custody under section 170.

(h) Whether the report of medical examination of the woman has been attached where investigation relates to an offence under [sections 376, 376A, 376AB, 376B, 376C, 376D, 376DA, 376DB] or section 376E of the Indian Penal Code (45 of 1860)”

l

(ii) If upon the completion of investigation, there is no sufficient evidence or reasonable ground of suspicion to justify the forwarding of the accused to a Magistrate, the Police officer in charge shall clearly state in the Report about the compliance of Section 169 Cr.PC.

(iii) When the report in respect of a case to which Section 170 applies, the police officer shall forward to the Magistrate along with the report, all the documents or relevant extracts thereof on which the prosecution proposes to rely other than those already sent to the Magistrate during investigation; and the statements recorded under Section 161 of all the persons whom the prosecution proposes to examine as its witnesses.

(iv) In case of further investigation, the Police officer in charge shall forward to the Magistrate a further report or reports regarding such evidence in the form prescribed and shall also comply with the details mentioned in the above sub para (i) to (iii).

18. It is further directed that the officer in charge of the police stations in every State shall strictly comply with the afore-stated directions, and the non-compliance thereof shall be strictly viewed by the concerned courts in which the Police Reports are submitted."

3. आप सभी को निर्देशित किया जाता है कि अपने अधीनस्थ समस्त विवेचनाधिकारियों एवं पर्यवेक्षण अधिकारियों को उपरोक्त निर्देशों को विस्तार से अवगत करा दें तथा इन निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय

*h* 2.4.24.

( प्रशान्त कुमार )

1. समस्त पुलिस आयुक्त,  
उत्तर प्रदेश।
2. समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक,  
प्रभारी जनपद, रेलवेज, उत्तर प्रदेश।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. पुलिस महानिदेशक, सीबीसीआईडी/ईओडब्लू/यूपीपीसीएल/साइबर क्राइम, उ०प्र० लखनऊ।
2. अपर पुलिस महानिदेशक, कानून-व्यवस्था/अभियोजन/रेलवेज/एसीओ/एटीएस, उ०प्र० लखनऊ।
3. समस्त जोनल अपर पुलिस महानिदेशक, उ०प्र०।
4. पुलिस महानिरीक्षक, एएनटीएफ, उ०प्र० लखनऊ।
5. समस्त परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस उपमहानिरीक्षक, उ०प्र०।